1.भारत और संसार

मध्यकालीन युग

- इतिहास में मध्यकाल अथवा मध्ययुग शब्द का प्रयोग उस काल के लिए किया जाता है जो प्राचीन काल और आधुनिक काल के बीच का युग है | हमने ईसा की आठवीं शताब्दी को मध्यकाल का आरंभ तथा 18 वीं शताब्दी को उसका अंत मान लिया है |
- मध्यकालीन भारत का इतिहास प्राचीन भारत के इतिहास से अनेक प्रकार से भिन्न है क्योंकि हम मध्यकाल की घटनाओं से अधिक परिचित हैं |
- प्राचीन काल के इतिहास की सामग्री हमको दो प्रमुख साधनों से प्राप्त हुई पहला साहित्यिक और दूसरा पुरातात्विक मध्य काल के संबंध में भी यही सत्य है मध्य काल के आरंभिक भाग अर्थात ईसा की आठवीं शताब्दी से 13वीं शताब्दी तक की अनेक सूचनाएं हमको अभिलेखों से प्राप्त हुई है| ये लेख या तो ताम्रपत्रों पर लिखे गए थे या शिलाओं पर |

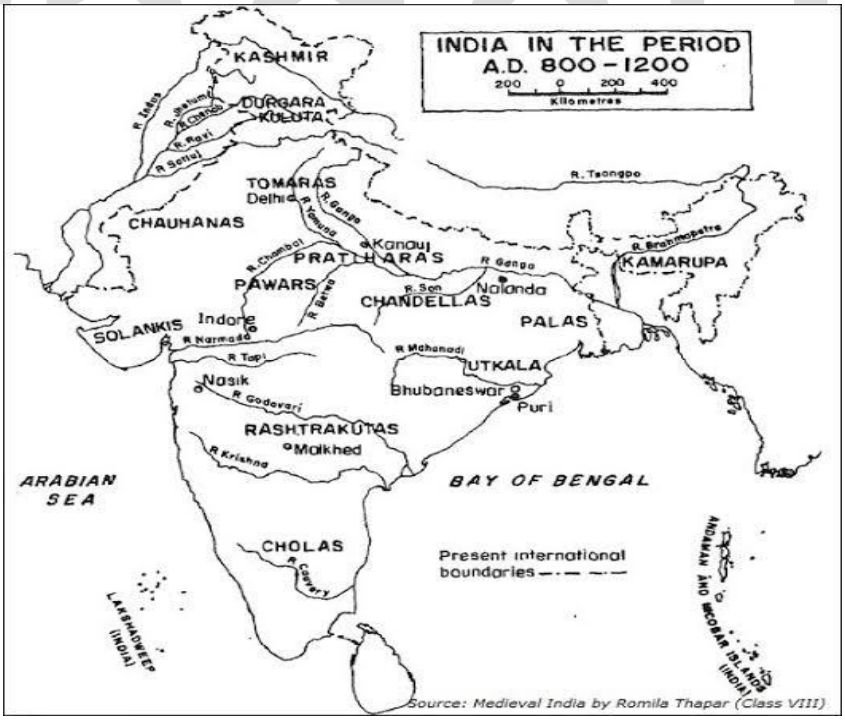

Source: Medieval India by Romila Thapar (Class VIII)

मध्यकालीन युग के चरण

प्रारंभिक मध्यकालीन युग

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- इस काल के इतिहास के अध्ययन को सरल बनाने के लिए इसको दो भागों में बांट दिया गया है| 8वीं शताब्दी से 13वीं शताब्दी तक के काल को पूर्व मध्यकाल कहते हैं| इसके अंतर्गत प्रतिहार,पाल और राष्ट्रकूट राजाओं के शासनकाल, उनके द्वारा कन्नौज के लिए किये गए पारस्परिक संघर्ष तथा उत्तर भारत के राजपूत राज्यों और दक्षिण भारत के चोल साम्राज्य का इतिहास आता है |

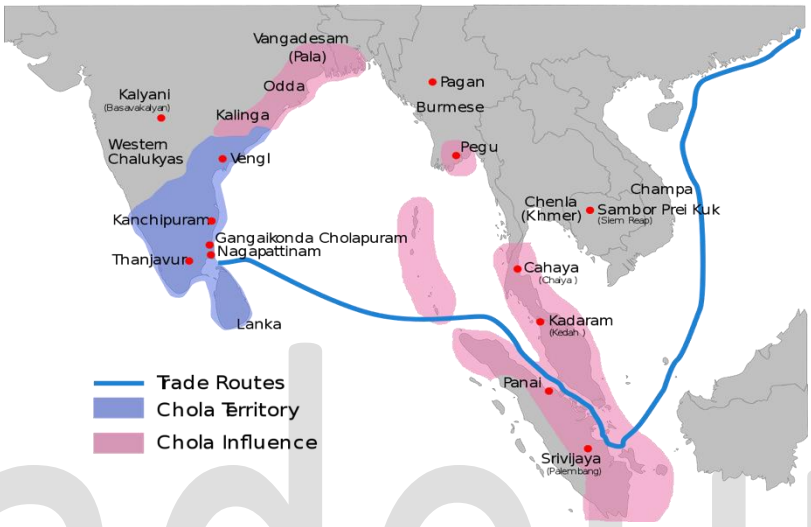

उत्तर मध्यकालीन युग

- 13वीं शताब्दी के भारत के काल को उत्तर मध्यकाल कहते हैं जिसके अंतर्गत दिल्ली के सुल्तानों वहमनी और विजयनगर के राज्यों और मुगल साम्राज्य का इतिहास आता है|
- इस समय कुछ और नवीन विचार एवं परिवर्तन समाज में आए जो भारत के बाहर से नवीन राजवंश द्वारा लाए गए| ये राजवंश उस समय इस विशाल देश के कुछ भागों पर शासन कर रहे थे| प्रमुख रूप से यह शासक तुर्क, अफगान तथा मुगल थे जो भारतवर्ष में आकर बस गए थे|

दुनिया की एक तस्वीर मध्यकालीन युग में

- भारत में विदेशियों के आगमन को समझने के लिए यह जानना आवश्यक हो जाता है कि इस समय पश्चिम एशिया, यूरोप, मध्य एशिया, चीन और दक्षिण-पूर्वी एशिया में किस प्रकार की घटनाएं हो रही थी|

पश्चिम एशिया

- ईसा की सातवीं शताब्दी में अरब में एक बड़ी महत्वपूर्ण घटना हुई थी पैगंबर मोहम्मद ने एक नवीन धर्म इस्लाम का उपदेश दिया|

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- इससे अरब जातियों का संगठन हुआ और शीघ्र उनका राजनीतिक समूह बन गया| उन्होंने पश्चिमी एशिया के अनेक भागों जैसे जॉर्डन, सीरिया, इराक, तुर्की, फारस, और मिश्र आदि को भी जीत लिया| पैगंबर की मृत्यु के पश्चात अरब जातियों पर एक के बाद एक कई खलीफा शासन करते रहे|
- धीरे-धीरे अरबों ने अन्य प्रदेश, विशेष रूप से उत्तरी अफ्रीका के क्षेत्र, जीत लिए| शीघ्र ही वे स्पेन में पहुंच गए और फ्रांस की ओर बढे किंतु वे फ्रांस के दक्षिण में रोक लिए गए| अरबों का उद्देश्य केवल विजय प्राप्त करना ही नहीं था| वे अपने साम्राज्य के अंदर व्यापार पर अधिकार करके उसको प्रोत्साहित भी करते थे| इस व्यापार से अरब लोग धनवान हो गए और उन्होंने एक नवीन सभ्यता के विकास में अपने धन का उपयोग किया|
- इस समृद्धि और सांस्कृतिक विकास के बीच अरब निवासियों को अन्य शक्तियों से युद्ध का सामना करना पड़ा | पहला समूह था यूरोप निवासियों का और दूसरा मंगोलों का|

यूरोप

- रोमन साम्राज्य के पतन के साथ यूरोप की शक्ति का ह्रास हो चुका था|
- पांचवी से लेकर 11वीं शताब्दी का समय यूरोप के इतिहास का अंधकार काल कहा जाता है|
- लगातार युद्ध के कारण यूरोप में राजनीतिक सुरक्षा नहीं थी, नियम और कानून की कोई व्यवस्था नहीं थी और विशेष रूप से किसानों का कभी-कभी अनाज भी लूट लिया जाता था | व्यापार की अवनति हुई जिसके परिणामस्वरूप यूरोप के बड़े-बड़े नगरों का भी पतन हो गया|
- अंधकार युग में यूरोप का अरब जगत से संबंध टूट गया पर बाद में यूरोप के लोग अरब देशों में रुचि लेने लगे| यूरोप के निवासियों में यह रूचि धर्म और व्यापार के कारण उत्पन्न हुई| व्यापार के कारण अरब लोग धनवान हो गए थे| इस कारण यूरोप के कुछ व्यापारी इस व्यापार में भाग लेना चाहते थे | यूरोप के नए बने इसाई, इस्लाम धर्म के प्रचार के कारण चिंतित थे| इस कारण अनेक धर्म संगठित किए गए| इन धर्म युद्धों को क्रेसेड कहते हैं |

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

मध्य एशिया

- नवी शताब्दी में अब्बासी खलीफाओं की शक्ति घट गई| उनका राज्य क्षेत्र के प्रांतों में विभाजित था, उनके नियंत्रण में न रहा और सभी प्रांत स्वतंत्र हो गए(उन प्रान्तों में गजनी और गौर प्रान्त भी थे)
- सलजक तुर्क जो मध्य एशिया में शक्तिशाली थे, पश्चिम एशिया की ओर बढे और उन्होंने इनमें से कुछ प्रान्तों पर अपना शासन स्थापित कर लिया |
- 11 वीं शताब्दी सलजक तुर्क पश्चिम एशिया में शक्तिशाली बन रहे थे और अपने शासन की स्थापना कर रहे थे | उन्होंने फारस, इराक, सीरिया और बैजंटाइन साम्राज्य पर आक्रमण किया और शीघ्र ही उस बस गए |

चीन

- तेरहवीं शताब्दी में चंगेज खां के नेतृत्व में मध्य एशिया के मंगोलो ने फिर बैजंटाइन पर आक्रमण कर दिया| इस आक्रमण ने पश्चिम एशिया में सलजक तुर्की को कमजोर कर दिया|
- तेरहवीं शताब्दी के मध्य से लेकर चौदहवीं शताब्दी के मध्य तक मंगोल चीन पर शासन करते रहे| सातवीं शताब्दी से तेरहवीं शताब्दी तक टांग और शुंग वंशों के शासनकाल में चीन भी वैभवशाली और शक्तिशाली देश रहा था| इससे चीन पर विजय प्राप्त करके मंगोलों ने अपनी राजनैतिक शक्ति भी बढ़ा ली और वे धनवान भी हो गये|
- व्यापार करने वाले काफिले जिस मार्ग से होकर जाते थे उसको रेशम का मार्ग कहते थे क्योंकि चीन का रेशम व्यापार की महत्त्वपूर्ण वस्तु थी| इसके अतिरिक्त चीन के नवीन आविष्कार भी अन्य वस्तुओं के साथ पश्चिम एशिया मे आए|

दक्षिण पूर्वी एशिया

- इनमें से कुछ जहाज भारत और पूर्वी अफ्रीका तक की यात्रा करते थे और अन्य दक्षिण पूर्वी एशिया के बंदरगाहों में रुक जाते थे अनाम, लाओस, कंबोडिया, जावा-सुमात्रा और मलाया जैसे देशों में चीन और भारत के व्यापारियों में प्रतिद्वंदिता चलती थी| ये व्यापारी केवल सामग्री ही नहीं, अपने साथ अपने-अपने देश की सभ्यता और संस्कृति भी लाते थे|
- चौदहवीं शताब्दी में अरब के व्यापारियों ने भी दक्षिण पूर्वी एशिया में अपने पैर जमा लिए|

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now